छबड़ा सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट
चौथी इकाई में बॉयलर ड्रम स्थापित

छबड़ा सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट में 250 मेगावॉट क्षमता की निमार्णाधीन चौथी इकाई के बॉयलर ड्रम को 06 जून, 2011 को 58 मीटर ऊंचाई पर स्थापित कर दिया गया है। इस ईकाई के निर्माण कार्यों का यह पहला महत्वपूर्ण माईल स्टोन है।

ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेन्द्रसिंह ने विद्युत उत्पादन निगम और छबड़ा परियोजना के अधिकारियों को इस माइल स्टोन की प्राप्ति के लिए बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि बिजलीघर की निमार्णाधीन इकाईयां निश्चित लक्ष्यावधि में विद्युत उत्पादन आरम्भ कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत राज्य की बिजली परियोजनाओं के समयबद्ध निर्माण के लिए निरन्तर प्रेरित कर रहे हैं।

छबड़ा परियोजना मे 250–250 मेगावाट की तीसरी और चौथी इकाई का निर्माण कार्य प्रगति पर है। चौथी इकाई के निर्माण कार्यो का यह पहला माइल स्टोन है। इस बायलर में 16 मीटर लम्बे व 1.778 मीटर व्यास वाले इस ड्रम का वजन 133 मीट्रिक टन है तथा इसके निर्माण में 180 मिलीमीटर मोटी कार्बन स्टील प्लेटस का उपयोग किया गया है। बॉयलर ड्रम की स्थापना के लिए लगभग 1600 टन स्टील स्ट्रक्चर का इरेक्शन कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बॉयलर ड्रम का निर्माण भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड की तिरूचिरापल्ली (तमिलनाडु) इकाई के द्वारा किया गया है। परियोजना की निर्माणाधीन तीसरी इकाई के बायलर का ड्रम पूर्व में ही 31 दिसम्बर, 2010 को स्थापित कर लिया गया है तथा अन्य निर्माण कार्य भी द्रुतगति से चल रहे हैं।

तापीय परियोजना में विद्युत का उत्पादन टरबाइन को पानी की भाप से घुमाकर जनरेटर द्वारा किया जाता है। टरबाइन चलाने के लिए पानी की भाप का तापमान 540 डिग्री सेन्टीग्रेड एवं दाब 155 किलो प्रति वर्ग से.मी. की आवश्यकता होती है। भाप का निर्माण बॉयलर में होता है एवं बॉयलर का मुख्य भाग बायॅलर ड्रम है। ड्रम का वर्किंग प्रेशर 182.5 किलोग्राम प्रति वर्ग से.मी. होता है एवं इसमें स्टीम को स्टीम वॉटर मिक्सर से अलग करने हेतु सेपेरेटर लगा होता है। ड्रम में निश्चित कार्यकारी दाब से अधिक दाब होने पर उस पर लगे सेफ्टी वाल्स संचालित हो जाते है जो कि कार्यकारी दाब को नियंत्रित करते है। बॉयलर ड्रम का निर्माण भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड की तिरूचिरापल्ली (तमिलनाडु) इकाई के द्वारा किया गया है।

इन इकाईयों के लिये वांछित सभी प्रमुख संयंत्र एवं उपकरणों के आदेश दिये जा चुके है तथा सिविल एंव अन्य फैब्रिकेशन तथा इरेक्शन का कार्य तेजी से प्रगति पर है। परियोजना के मुख्य प्लांट जिसमें बॉयलर–टरबाइन व जनरेटर की डिजाइनिंग सप्लाई व इरेक्शन का कार्य प्रमुख होता है, भारत सरकार के उपक्रम मैसर्स भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स द्वारा किया जा रहा है तथा परियोजना के शेष बचे कार्य मैसर्स इन्डयोर प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा किये जा रहे है।

...